बेदती-वरदा नदी को आपस में जोड़ने की परियोजना

प्रिलिम्स के लिये:

बेदती-वरदा नदी को आपस में जोड़ने की परियोजना, तुंगभद्रा नदी,

मेन्स के लिये:

नदियों को आपस में जोड़ने वाली परियोजनाओं के मुद्दे।

चर्चा में क्यों?

कर्नाटक में दो पर्यावरण समूहों ने **बेदती और वरदा नदियों** को जोड़ने की परियोजना की आलोचना करते हुए इसे अवैज्ञानिक और जनता के पैसे की बर्बादी बताया है।

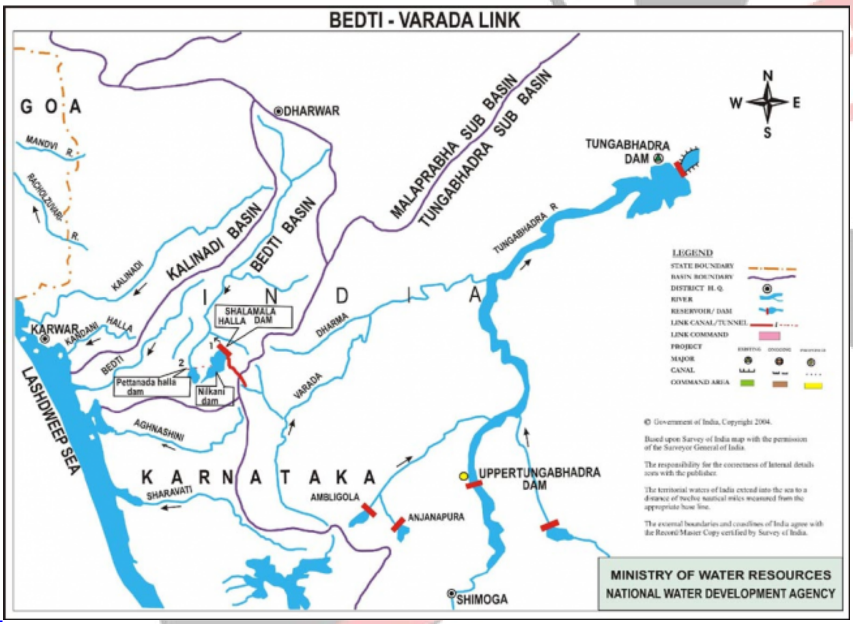

//

बेदती-वरदा परियोजना:

- बेदती-वरदा परियोजना की परिकल्पना वर्ष 1992 में पेयजल की आपूर्ति के लिये की गई थी।
- इस योजना का उद्देश्य अरब सागर की ओर पश्चिम में बहने वाली एक नदी **बेदती को तुंगभद्रा नदी की एक सहायक नदी वरदा के साथ** जोड़ना है, जो कृष्णा नदी में मिलकर **बंगाल की खाड़ी** में गिरती है।
- गदग ज़िले के **हरिवाडट्टी** में एक विशाल बाँध बनाया जाएगा।
- उत्तर कन्नड़ ज़िले के सिरसी के मेनासागोडा में पट्टनहल्ला नदी पर एक दूसरा बाँध बनाया जाएगा।
- दोनों बाँध सुरंगों के माध्यम से वरदा तक पानी ले जाएंगे।
- पानी केंगरे तक पहुँच जाएगा और फिर **हक्कालुमाने तक 6.88 किमी. की सुरंग** से नीचे प्रवाहित होगा, जहाँ यह वरदा में शामिल हो जाएगा।
- इस प्रकार इस परियोजना में उत्तर कन्नड़ ज़िले के सिरसी-येलापुरा क्षेत्र के जल को रायचूर, गडग और कोप्पल ज़िलों के शुष्क क्षेत्रों में ले जाने की परिकल्पना की गई है।

- बेदती और वरदा नदयिों की पट्टनहल्ला (**Pattanahalla**) और शाल्मलाहल्ला (**Shalmalahalla**) सहायक नदयिों से कुल 302 मलियिन क्यूबकि मीटर पानी, जबकि 222 मलियिन क्यूबकि मीटर पानी बेदती नदी के वपिरीत बने सुरेमाने बैराज से नकिाला जाएगा।
- गडग तक पानी खींचने के लयि परयिोजना को 61 मेगावाट बजिली की आवश्यकता होगी। इसके बाद भी यह पता नहीं चल पाया है कि पानी गडग तक पहुँचेगा या नहीं।

परयिोजना से जुड़े मुद्दे:

- **मार्ग के पुन:नरि्धारण में मुश्कलि :**
  - पश्चमि की ओर बहने वाली नदी को पूर्व की ओर बहने के लयि पुनर्नरि्देशति करना कठनि कार्य है।
- **वर्षा जल पर नरि्भर नदयिाँ:**
  - गर्मयिों की शुरुआत में, बेदती और वरदा नदयिाँ सूखने लगती हैं।.
  - यह एक दुखद वडिंबना है कि सरकार द्वारा नयिुक्त वैज्ञानकि इन नदयिों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के बहाने आपस में जोड़ने की योजना बना रहे हैं, यह जानते हुए भी कि वे पूरे साल नहीं बहती हैं।
- **उचति प्रोजेक्ट रपिोर्ट का अभाव:**
  - सचिाई वभिाग द्वारा तैयार की गई वस्तिृत परयिोजना रपिोर्ट (Detailed Project Report- DPR) सटीक नहीं है क्योंकि यह पानी की उपलब्धता का आकलन कयि बनिा और बेदती-अघानाशनिी और वरदा नदयिों के अंतर्संबंध पर **राष्ट्रीय जल वकिास एजेंसी** (National Water Development Agency- NWDA) की रपिोर्ट के अवलोकन को उद्धृत कयि बनिा तैयार की गई थी।
- **पर्यावरणीय प्रभाव :**
  - 500 एकड़ से ज्यादा जंगल खत्म हो जाएँगे। अंततः परणिाम यह होगा कि पानी की भी काफी कमी हो जाएगी।
  - इस परयिोजना से वनस्पतयिों और जीवों को भी नुकसान होगा।
  - **प्रकृति के संरक्षण के लयि अंतर्राष्ट्रीय संघ** द्वारा बेदती घाटी को एक सक्रयि जैव ववििधिता क्षेत्र के रूप में नामति कयि गया है।
  - यह क्षेत्र 1,741 प्रकार के फूलों के पौधों के साथ-साथ पक्षयिों और जानवरों की 420 प्रजातयिों का आवास है।
  - नदी के साथ जो पोषक तत्त्व होते हैं, वे वशिेष रूप से देदी में बेदती के मुहाने पर मछली के भंडार को बनाए रखने के लयि उत्तरदायी होते हैं।
  - नदी घाटी लगभग 35 वभिन्नि पशु प्रजातयिों के लयि गलयिारे (corridor) के रूप में कार्य करती है। मुहाना क्षेत्र में बेदती को गंगावली के नाम से जाना जाता है।
- **हजारों लोगों के प्रभावति जीवन:**
  - बेदती और वरदा नदयिाँ तट के कनिारे मछली पकड़ने वाले समुदायों के अलावा, पश्चमिी घाट की तलहटी, मालेनाडु क्षेत्र में हज़ारों कसिानों के लयि जीवन जीने का आधार है।

आगे की राह:

- नदयिों को आपस में जोड़ने के अपने लाभ और नुकसान हैं, लेकनि आर्थकि, राजनीतकि और पर्यावरणीय प्रभावों को देखते हुए इस परयिोजना को केंद्रीकृत राष्ट्रीय स्तर पर लागू करना एक समझदारी भरा नरि्णय नहीं हो सकता है।
- इसके बजाय नदयिों को जोड़ने का **वकिेन्द्रीकृत तरीके से अनुसरण कयि जा सकता है, और बाढ़ एवं सूखे को कम करने के लयि वर्षा जल संचयन जैसे अधकि टकिाऊ तरीकों को बढ़ावा** दयि जाना चाहयि।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न: हाल ही में नम्निलखिति में से कनि नदयिों को आपस में जोड़ने का कार्य शुरू कयि गया है? (2016)

(a) कावेरी और तुंगभद्रा
(b) गोदावरी और कृष्णा
(c) महानदी और सोन
(d) नर्मदा और ताप्ती

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- गोदावरी और कृष्णा नदयिों को आंध्र प्रदेश के पश्चमिी गोदावरी ज़लि में पट्टीसीमा लफ्टि सचिाई परयिोजना के तहत आपस में जोड़ा गया था।

अतः वकिल्प (b) सही है।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bedti-varada-river-interlinking-project